

विचार बिन्दु

मानव नक़ल करने वाला प्राणी है और जो सबसे आगे रहता है वो नेतृत्व करता है। -शिलर

भारत : ऑपरेशन सिंदूर के बाद चीन की चुनौती और गहरी

ऑपरेशन सिंदूर, जिसे भारत ने मई 2025 में पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों को नष्ट करने के लिए शुरू किया था, ने न केवल भारत-पाकिस्तान संबंधों को एक नए मोड़ पर ला खड़ा किया, बल्कि क्षेत्रीय भू-राजनीति में चीन की भूमिका को भी अधिक गहराई से उजागर कर दिया। यह ऑपरेशन, जिसे भारत ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में शुरू किया, एक सैन्य कार्रवाई से कहीं अधिक था। यह भारत की बदलती रणनीति, क्षेत्रीय शक्ति संतुलन और वैश्विक मंच पर भारत की स्थिति को मजबूत करने की कोशिश का प्रतीक था। लेकिन इस ऑपरेशन के बाद जो परिदृश्य उभरा, उसने भारत के सामने नई चुनौतियां खड़ी कर दीं, खास तौर पर चीन के बढ़ते प्रभाव और उसकी रणनीतिक चालों के कारण। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस दौरान परोक्ष रूप से चीनी सामान के बहिष्कार का आह्वान किया, जिसने भारत-चीन संबंधों को और जटिल बना दिया।

ऑपरेशन सिंदूर की शुरुआत 7 मई 2025 को हुई, जब भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आतंकी ठिकानों पर सटीक हमले किए। इस कार्रवाई ने न केवल पाकिस्तान की सैन्य और आतंकी ढांचे को गहरी चोट पहुंचाई, बल्कि चीन के लिए भी एक अप्रत्याश चुनौती बन गई। ऑपरेशन के दौरान पाकिस्तान द्वारा इस्तेमाल किए गए चीनी हथियार, जैसे कि जे-10सी फाइटर जेट्स, एचक्यू-9 एयर डिफेंस सिस्टम, और पीएल-15 मिसाइलें, भारतीय हमलों के सामने नाकाम साबित हुए। इसने न केवल पाकिस्तान की सैन्य क्षमता पर सवाल उठाए, बल्कि चीन के हथियारों की विश्वसनीयता को भी वैश्विक मंच पर कठघरे में खड़ा कर दिया। विशेषज्ञों ने इसे चीन के लिए एक बड़ा झटका माना, क्योंकि 2020 से 2024 तक पाकिस्तान की सैन्य बर्बाद 81% हथियारों की आपूर्ति हुई थी, और ऑपरेशन सिंदूर ने इन हथियारों की कमजोरियों को उजागर कर दिया। चीनी रक्षा कंपनियों, जैसे कि चैंगू एयरक्राफ्ट, के शेयरों में 9 प्रतिशत से अधिक की गिरावट दर्ज की गई, जो इस बात का संकेत था कि वैश्विक रक्षा बाजार में चीन की साख को गहरा नुकसान पहुंचा है। इस सैन्य असफलता ने चीन को रणनीतिक रूप से और सक्रिय होने के लिए प्रेरित किया।

21 मई 2025 को बीजिंग में हुई एक त्रिपक्षीय बैठक में चीन, पाकिस्तान और अफगानिस्तान ने चाइना-पाकिस्तान इकोनॉमिक कोरिडोर (सीपीईसी) को अफगानिस्तान तक विस्तार देने पर सहमति जताई। यह कदम भारत के लिए एक नई सामरिक चुनौती के रूप में उभरा। सीपीईसी का विस्तार न केवल पाकिस्तान को आर्थिक और सैन्य रूप से मजबूत करने की कोशिश है, बल्कि यह भारत को दक्षिण एशिया में घेरने की चीन की रणनीति का हिस्सा भी है। इस बैठक में पाकिस्तान के उप-प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इमरानु खान, चीनी विदेश मंत्री वांग यी, और तालिबान के कार्यावाहक विदेश मंत्री आमिर खान मुतकी शामिल थे। यह स्पष्ट संकेत था कि चीन न केवल पाकिस्तान को बल्कि तालिबान शासित अफगानिस्तान को भी अपने प्रभाव क्षेत्र में लाने की कोशिश कर रहा है। चीन की यह रणनीति भारत के लिए कई मोर्चों पर खतरा पैदा करती है। सबसे पहले, चीन ने पाकिस्तान को उगत हथियारों और प्रौद्योगिकी को आपूर्ति बढ़ा दी है।

सूत्रों के अनुसार, ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तानी सेना और आईएसआई ने चीन और तुर्क से हथियारों की एक नई खेप की सूची तैयार की है, जिसमें ग्राउंड-वेल्ड लॉन्चर, 30 गिंग लूंग ड्राग, और सर्विलांस सिस्टम शामिल हैं। ये ड्रोन, जिन्हें "चाइनीज किलर ड्रोन" के नाम से जाना जाता है, पाकिस्तान अधिकांश कश्मीर में तैनात किए जाने की योजना है। इसके अलावा, पाकिस्तान अपने परमाणु शस्त्रागार को आधुनिक बनाने में भी तेजी ला रहा है, जिसमें चीन का प्रत्यक्ष और परोक्ष समर्थन शामिल है। अमेरिकी डिफेंस इंटेलिजेंस एजेंसी (डीआईए) की एक हालिया रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान अपने परमाणु हथियारों और कमांड-एंड-कंट्रोल सिस्टम को सुरक्षित रखने के साथ-साथ नाभिक विनाश के हथियारों (डब्ल्यूएमडी) के लिए सामान विदेशी आपूर्तिकर्ताओं, मुख्य रूप से चीन, से खरीद रहा है। यह सामान हंगकांग, सिंगापूर, दुर्क और यूआई के जरूरी पाकिस्तान पहुंचाया जा रहा है। चीन की सहायता केवल हथियारों तक सीमित नहीं है। वह पाकिस्तान को आर्थिक और जल संसाधनों के क्षेत्र में भी समर्थन दे रहा है। भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान को सिंधु जल संधि (आइडसएचटी) के उल्लंघन की धमकी दी थी, जिसके तहत भारत पाकिस्तान को पानी की आपूर्ति कम कर सकता है। जवाब में, चीन ने सतलज नदी की धारा को मोड़कर पाकिस्तान को जल संसाधनों की कमी से बचाने की कोशिश शुरू कर दी है, इतना ही नहीं चीन ने सीधे-सीधे भारत को ब्रह्म पुत्र नदी हेतु चीन से मिलने वाले पानी के विषय में भी चेतावनी दे दी है। अर्थात यदि भारत सिंधु नदी का पानी पाकिस्तान के लिए रोकेगा तो भारत आगामी खतरे के लिए तैयार रहे। यह कदम न केवल भारत की रणनीति को चुनौती देता है, बल्कि यह भी दर्शाता है कि चीन क्षेत्रीय जल संकट को अपने पक्ष में इस्तेमाल करने की कोशिश कर रहा है।

सतलज नदी का पानी तिब्बत से निकलता है, और चीन ने बिना कोई आधिकारिक बयान दिए इस नदी के प्रवाह को नियंत्रित करने की दिशा में कदम उठाए हैं। यह भारत के लिए एक गंभीर चिंता का विषय है, क्योंकि जल संसाधन दक्षिण एशिया में रणनीतिक और आर्थिक स्थिरता का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। चीन की ये चालें केवल पाकिस्तान तक सीमित नहीं हैं। वह भारत के सीमावर्ती इलाकों में भी अपनी स्थिति मजबूत कर रहा है। अमेरिकी डीआईए की रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत अब चीन को अपना प्राथमिक सामरिक प्रतिद्वंद्वी मानता है, जबकि पाकिस्तान को एक ऐसी समस्या के रूप में देखता है जिसे प्रबंधित किया जा सकता है। पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर 2020 की गलतान घाटी झड़प के बाद से भारत और चीन के बीच तनाव बना हुआ है। हालांकि अक्टूबर 2024 में दोनों देशों ने दो विवादित क्षेत्रों से सैनिकों को पीछे हटाने पर सहमति जताई, लेकिन सीमा विवाद अभी अनसुलझा है। चीन ने लद्दाख, अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम जैसे सीमावर्ती क्षेत्रों में अपनी सैन्य उपस्थिति बढ़ाई है और बुनियादी ढांचे का विकास तेज कर दिया है। इसके अलावा,

चीन की सैन्य, आर्थिक और जल संसाधनों की रणनीति भारत के लिए दीर्घकालिक चुनौतियां पेश करती है। अगर भारत को इन चुनौतियों का सामना करना है, तो उसे अपनी घरेलु विनिर्माण क्षमता को बढ़ाना होगा, सैन्य आधुनिकीकरण को और तेज करना होगा, और क्षेत्रीय सहयोगियों के साथ अपनी स्थिति को और मजबूत करना होगा।

बहिष्कार हो, देश के व्यापारी विदेशी सामान नहीं बेचेंगे, देश के नागरिक विदेशी सामान नहीं खरीदेंगे।" यह आह्वान ऑपरेशन सिंदूर को जनरल से जीतने की भावना से जोड़ा गया है। हालांकि, यह नीति भारत की आर्थिक वास्तविकताओं के साथ तालमेल नहीं बिठाती। भारत का चीन के साथ व्यापार घाटा 99 बिलियन डॉलर से अधिक है, और कई महत्वपूर्ण क्षेत्र जैसे कि रसायन, फार्मास्यूटिकल्स, और इलेक्ट्रॉनिक्स चीनी आयात पर निर्भर हैं। 2024 में भारत-चीन व्यापार 118 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया, जो अमेरिका के साथ भारत के 140 बिलियन डॉलर के व्यापार के करीब है।

चीनी झालर, होली के रंग, या मूर्तियाँ जैसे छोटे सामानों का बहिष्कार प्रतीकात्मक हो सकता है, लेकिन यह भारत की आपूर्ति श्रृंखला पर निर्भरता को कम करने में ज्यादा प्रभावी नहीं होगा। इसके अलावा, चीनी सामान के बहिष्कार का आ न भारत की घरेलु विनिर्माण क्षमता को बढ़ाने की तत्काल आवश्यकता को उजागर करता है। भारत ने हाल के वर्षों में 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' जैसे अभियानों के माध्यम से स्वदेशी विनिर्माण को बढ़ावा देने की कोशिश की है, लेकिन प्रगति धीमी रही है। रसायनों, इलेक्ट्रॉनिक्स और भारी मशीनरी जैसे क्षेत्रों में भारत अभी भी आयात पर निर्भर है। अगर भारत को चीन पर अपनी निर्भरता कम करनी है, तो उसे दीर्घकालिक निवेश, अनुसंधान और विकास, और तकनीकी नवाचार में तेजी लानी होगी। लेकिन यह प्रक्रिया समय लेने वाली है, और तत्काल बहिष्कार का आह्वान अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। उदाहरण के लिए, फार्मास्यूटिकल उद्योग में कच्चे माल का 60-70% हिस्सा चीन से आता है, और इसका विकल्प तुरंत खोजना असंभव है।

चीन की रणनीतिक चालों और भारत की आर्थिक निर्भरता के बीच भारत की स्थिति को लाचारी के रूप में देखा जा सकता है। चीनी सामान के बहिष्कार और लगातार चीन से बढ़ता आयात वैसा ही किस्सा है जैसे एकतर्फ सरकार गुटखा तम्बाकू शराब पर जीएसटी लगाकर कमाई कर रही है दूसरी तरफ इनपर रोक के लिए विभाजन चलाती है। ऑपरेशन सिंदूर ने भारत की सैन्य ताकत और दृढ़ संकल्प को तो प्रदर्शित किया, लेकिन यह भी स्पष्ट है कि चीन के साथ प्रत्यक्ष टकराव के लिए भारत को अभी और तैयारी की जरूरत है। सतलज नदी के प्रवाह को मोड़ने जैसे कदमों पर भारत को मान रहना इस बात का संकेत है कि वह अभी पूरी तरह से चीन की चुनौतियों का जवाब देने की स्थिति में नहीं है। इसके अलावा, पाकिस्तान को परमाणु हथियारों और उन्नत तकनीकी आपूर्ति में चीन की भूमिका के लिए एक दीर्घकालिक खतरा है। अगर पाकिस्तान अपनी परमाणु क्षमता को और बढ़ाता है, तो यह भारत के लिए रणनीतिक संतुलन को और जटिल कर देगा।इसके जवाबजुद, भारत ने कुछ क्षेत्रों में अपनी स्थिति मजबूत की है। ऑपरेशन सिंदूर ने यह साबित किया कि भारत अब परमाणु ब्लैकमेल को सहन नहीं करेगा।

12 मई 2025 को अपने राष्ट्र के नाम संबोधन में, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि "सीमा पार आतंकवाद को युद्ध की कार्रवाई माना जाएगा, और पानी व खून एक साथ नहीं बह सकता।" यह बयान भारत की नई 'मोह नीति' का हिस्सा है, जो आतंकवाद के खिलाफ सख्ता रुख और रणनीतिक जवाबी कार्रवाइयों पर जोर देती है। भारत ने अपनी सैन्य आधुनिकीकरण को भी तेज किया है, जिसमें अगिन-आई ग्राइड और अगिन-वी मिसाइलों का परीक्षण और दूसरी परमाणु-संचालित पनडुब्बी को चालू करना शामिल है। इसके अलावा, भारत हिंद महासागर और इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में अपनी स्थिति को मजबूत करने के लिए अन्य देशों के साथ सैन्य और कूटनीतिक सहयोग बढ़ा रहा है। लेकिन इन प्रयासों के जवाबजुद, चीन की रणनीतिक घेराबंदी और पाकिस्तान को उसका समर्थन भारत के लिए एक जटिल चुनौती बना हुआ है। चीन ने भारत और पाकिस्तान के बीच तथ्यायी युद्धिवारम की वकालत की है, लेकिन उसका रुख स्पष्ट रूप से पाकिस्तान के पक्ष में झुका हुआ है। बीजिंग ने बा-बा-भार भारत के हमलों की खबरों को दबाने की कोशिश की, जबकि पाकिस्तानी दावों को बढ़ावा दिया। यह कूटनीतिक दोहरापन भारत के लिए एक और चुनौती है, क्योंकि चीन एक ओर शांति की बात करता है, तो दूसरी ओर पाकिस्तान को सैन्य और आर्थिक समर्थन देता है।

भारत की नीतिगत लाचारी का एक और पहलू यह है कि वह चीन के साथ अपने आर्थिक और कूटनीतिक संबंधों को पूरी तरह से तोड़ नहीं सकता। रूस के साथ भारत के ऐतिहासिक संबंध और आर्थिक हित इसे चीन के खिलाफ एकतर्फा रुख अपनाने से रोकते हैं। डीआईए की रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत 2025 में भी रूस के साथ अपने संबंधों को बनाए रखेगा, क्योंकि यह अपने रक्षा और आर्थिक उद्देश्यों के लिए महत्वपूर्ण मानता है। यह स्थिति भारत को एक जटिल भू-राजनीतिक संतुलन बनाए रखने के लिए मजबूर करती है, जहां उसे एक ओर चीन का मुकाबला करना है, तो दूसरी ओर रूस जैसे सहयोगियों के साथ संबंध बनाए रखना है। अंत में, ऑपरेशन सिंदूर ने भारत की सैन्य और कूटनीतिक ताकत को तो प्रदर्शित किया, लेकिन इसने चीन की रणनीतिक चालों और भारत की आर्थिक निर्भरता को भी उजागर कर दिया। चीनी सामान के बहिष्कार का आह्वान, हालांकि जनता में जोश भरने वाला हो सकता है, लेकिन यह भारत की आर्थिक वास्तविकताओं के साथ तालमेल नहीं बिठाता। चीन की सैन्य, आर्थिक और जल संसाधनों की रणनीति भारत के लिए दीर्घकालिक चुनौतियां पेश करती है। अगर भारत को इन चुनौतियों का सामना करना है, तो उसे अपनी घरेलु विनिर्माण क्षमता को बढ़ाना होगा, सैन्य आधुनिकीकरण को और तेज करना होगा, और क्षेत्रीय सहयोगियों के साथ अपनी स्थिति को और मजबूत करना होगा। लेकिन यह सब एक लंबी और जटिल प्रक्रिया है, और तब तक भारत को चीन की चालों और पाकिस्तान के साथ तनाव के बीच एक नाजुक संतुलन बनाए रखना होगा। ऑपरेशन सिंदूर ने एक नई शुरुआत की है, लेकिन यह शुरुआत भारत के लिए अवसरों के साथ-साथ नई चुनौतियां भी लाई है।

—**अतिथि सम्पादक,**
राजेन्द्र मोहन शर्मा,
वरिष्ठ साहित्यकार, शिक्षा विद और चिन्तक



के.के. गुप्ता

डूंगरपुर नगर परिषद के पूर्व अध्यक्ष के. के. गुप्ता ने जल संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किए हैं, जिससे दक्षिणी राजस्थान का वागड क्षेत्र राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक बेजोड मॉडल बन कर उभरा है। उनके प्रयासों ने न केवल स्थानीय जल संकट को कम हुआ है, बल्कि अन्य राज्य के नगर निकाय भी इससे प्रेरित हुए हैं। उनके नवाचार और समुदाय आधारित दृष्टिकोण ने जल संकट से जुझ रहे क्षेत्रों को एक नई दिशा दी है। उनके इन प्रयासों की न केवल स्वयं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रशंसा की है वरन् इसके लिए उन्हें वॉटर हीरो सहित अन्य कई राष्ट्रीय और अंतराष्ट्रीय अवार्ड मिले हैं।

हाल ही के.के. गुप्ता की पहल पर डूंगरपुर जिला प्रशासन ने 1०0 तालाबों को गहरा कराने तथा उनकी साफ सफाई एवं सौन्दर्यकरण के काम हाथ में लिए गए हैं। भीषण गर्मी और मिट्टी भराव के कारण डूंगरपुर जिले में कई तालाब सूखने की कगार पर पहुँच गए थे, जिससे जल संकट की स्थिति उत्पन्न हो गई थी। इस समस्या के समाधान के लिए, जिला कलेक्टर ने तालाबों की

गहराई बढ़ाने और जल संचयन की क्षमता को सुधारने के लिए गंभीर प्रयास किए हैं। गुप्ता के इन प्रयासों के लिए स्थानीय नागरिक उन्हें वागड के नए भगीरथ की उपमा देने लगे हैं।

के.के. गुप्ता ने अपने नगर परिषद अध्यक्षीय कार्यकाल में वर्षा जल संचयन में नवाचार कर कम लागत वाला रेनवाटर हार्वेस्टिंग मॉडल तैयार करने में सफलता हासिल की। गुप्ता के नेतृत्व में डूंगरपुर में एक अभिनव वर्षा जल संचयन प्रणाली विकसित की गई, जिसमें छतों से एकत्रित वर्षा जल को सीधे घरों के मौजूदा बोरवेल में भेजा गया। इस प्रणाली में पाइप के भीतर ही रेत फिल्टर और बैक्टीरिया की सुविधा शामिल की गई, जिससे जल शुद्धिकरण सुनिश्चित हुआ। डूंगरपुर के इस मॉडल की सफलता को देखते हुए, अन्य राज्य सरकारों ने भी इसे अपने प्रदेश में लागू करने का निर्णय लिया। गुप्ता ने वर्षा जल संचयन, पुराने तालाबों और जल स्रोतों का पुनर्जीवन, और जल संरक्षण के लिए विभिन्न पहलें शुरू कीं।

इसी प्रकार उनके गंभीर प्रयासों से डूंगरपुर नगर के पारंपरिक जल स्रोतों का पुनरुद्धार कर तालाबों और बावडियों का जीर्णोद्धार कराया गया। गुप्ता ने डूंगरपुर में पुराने तालाबों, बावडियों और जल स्रोतों की सफाई और गहरीकरण का कार्य किया, जिससे वर्षा जल का संचयन और भूजल स्तर में वृद्धि संभव हुई। स्थानीय ग्राम सभाओं और समुदायों के साथ मिलकर, गुप्ता ने सामुदायिक तालाबों का निर्माण और रखरखाव सुनिश्चित किया, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में जल संकट को कम किया जा सका।

उन्होंने ई-कचरा प्रबंधन, प्लास्टिक अपशिष्ट नियंत्रण, और कचरा प्रबंधन के लिए जागरूकता

जल संरक्षण में उपयोगी साबित हो रहा फार्म पौंड एवं डिग्गी का उपयोग

भजनलाल सरकार द्वारा दी जाने वाली सब्सिडी से कृषक लाभान्वित हो रहे हैं



नेमीचंद

जल के बिना किसी भी प्रकार के जीवन और वनस्पति की कल्पना

भी नहीं की जा सकती। वर्तमान समय में जल की कमी एक गंभीर समस्या बनती जा रही है।

अल्पवृष्टि और अनियमित मानसून के कारण किसानों को सिंचाई के लिए जल की भारी कमी का सामना करना पड़ता रहा है। इस स्थिति में जल संरक्षण आवश्यक हो गया है। जल संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए भजनलाल सरकार द्वारा 5 जून से 20 जून तक 'वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान' चलाया जा रहा है।

सिंचाई की आवश्यकता को पूरा करने में फार्म पॉन्ड और डिग्गी

अजमेर में बरसात होने से तापमान में गिरावट आई

गुरुवार व शुक्रवार को भी दोपहर बाद आंधी व बारिश की संभावना

अजमेर, (कास) । पिछले तीन दिन से प्रदेश के तेज हवाओं के साथ बरसात का दौर बुधवार को भी जारी रहा। बुधवार सुबह 11 बजे करीब आधे घंटे तक हुई तेज बरसात से तापमान में गिरावट हुई। दो ही मीसम खुसनुमा हो गया। तेज बरसात से सड़कों पर पानी बह निकला। मॉर्टिडल ब्रिज के पास सड़क पर पानी भर जाने से नाले का लेवल पता नहीं चलने पर बाइक सवार पिता-पुत्र बाइक सहित

नाले में गिर पड़े। गनीमत यह रही कि मौके मौजूद दुकानदारों व स्थानीय लोगों ने दोनों को बचा लिया अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था। मौसम विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रदेश में एक्टिव हूपसिस्टम के कारण गुरुवार व शुक्रवार को भी दोपहर बाद आंधी बारिश के आसार हैं। मौसम विभाग ने यलो अलर्ट भी जारी किया है। तापमान में आंशिक गिरावट हो सकती है। दोपहर में उमस का दौर

जारी रहेगा। गत चार दिनों से तापमान में गिरावट जारी है। 1 जून को अधिकतम तापमान 37 डिग्री और न्यूनतम तापमान 25.6 डिग्री दर्ज किया गया था, जबकि 2 जून को अधिकतम तापमान 36.4 डिग्री और न्यूनतम 23.3 डिग्री रहा। 3 जून को अधिकतम 3०.7 डिग्री और न्यूनतम 20 डिग्री रिकॉर्ड रहा, तीन दिन दोपहर पारे में 6.3 डिग्री और रात के तापमान 5.6 डिग्री गिरावट दर्ज की गई। बुधवार

राष्ट्रीय मॉडल के रूप में स्थापित किया है। उनके नेतृत्व और नवाचारों ने इस छोटे से शहर को कई महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ दिलाई हैं। के.के. गुप्ता ने डूंगरपुर नगर को स्वच्छता में अग्रणी बनाना जिसके फलस्वरूप राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और केन्द्रीय मंत्रियों के हाथों उन्हें पुरस्कार सम्मान मिले। गुप्ता के नेतृत्व में डूंगरपुर नगर परिषद ने तीन बार ओडीएफ प्लस और तीन बार ओडीएफ डबल प्लस का दर्जा प्राप्त किया। शहर को श्री स्टार गाबेंज-फ्री सिटी का खिताब भी मिला, जो राजस्थान में किसी भी निकाय के लिए एक बड़ी उपलब्धि रही। गुप्ता ने डूंगरपुर में घर-घर कचरा संग्रहण, गीले और सूखे कचरे का पुथक्करण, और बायोगैस संयंत्र जैसे नवाचारों की शुरुआत की। उन्होंने नागरिकों को स्वच्छता आंदोलन से जोड़ने के लिए प्रोत्साहन योजनाएँ शुरू कीं, जैसे कि गंदी नालियों को तस्वीर भेजने पर इनाम देना आदि सफल प्रयोग भी किए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वच्छ भारत मिशन के तहत डूंगरपुर की एक जनजातीय परिवार की कहानी का उल्लेख किया, जिन्होंने शौचालय निर्माण के लिए अपनी बकरियाँ बेचीं, इसे स्वच्छता के प्रति समर्पण की अनूठी मिसाल बताया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा तथा अन्य विशिष्ट लोगों द्वारा भी सार्वजनिक रूप से उनकी प्रशंसा की गई। के.के. गुप्ता के समर्पण और नवाचार डूंगरपुर को स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में एक प्रेरणास्पद उदाहरण बनाया है। उनके प्रयासों ने न केवल डूंगरपुर देश विदेश में एक मॉडल शहर बन कर उभरा है, बल्कि अन्य शहरों के लिए भी पथ प्रदर्शक साबित हुआ है। के.के. गुप्ता डूंगरपुर, राजस्थान के एक प्रमुख

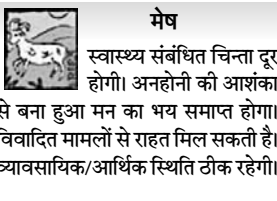
—**के.के. गुप्ता,**
डूंगरपुर नगर परिषद के पूर्व अध्यक्ष

जल संरक्षण में उपयोगी साबित हो रहे हैं

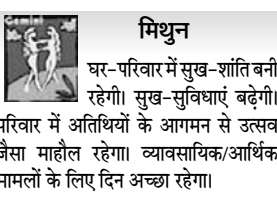
का स्रोत भी बनता जा रहा है। नहरी क्षेत्रों में पानी को इकट्ठा करने के लिए डिग्गी का उपयोग किया जाता है। जिसका निर्माण सीमेंट और ईंटों से किया जाता है। यह एक प्रकार की खुली टंकी होती है, जिसमें नहर या पाइप से जल लाकर एकत्र किया जाता है। राजस्थान जैसे सूखे या कम वर्षा वाले क्षेत्रों में फार्म पौंड और डिग्गी से सिंचाई बहुत महत्वपूर्ण साधन है। इसके माध्यम से वर्षा जल को संग्रहित किया जा सकता है। फार्म पौंड और डिग्गी जैसे जल संरक्षण उपाय आज की आवश्यकता

इंर्टर्न डॉक्टर्स को नहीं मिला वेतन

पाली, (नि.सं.)। राजस्थान के सभी मेडिकल कॉलेज ने राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय को पत्र लिखकर वेतन बढ़ाने और वेतन को मासिक रूप से देने की मांग की। वर्तमान में राजस्थान के इंटरन डॉक्टर का वेतन 21 हजार है जो कि भारत के अन्य राज्य पश्चिम बंगाल, असम, कर्नाटक एवं दिल्ली आदि से कम है। संपूर्ण राजस्थान इंटरन डॉक्टर के अध्यक्ष डॉ. रजनीश जिन्जा ने बताया कि सरकार ने पिछले 5 वर्ष में फीस में 1० गुना से अधिक वृद्धि की है, लेकिन अनुसंधे अनुपात में इंटरन डॉक्टर के वेतन नहीं बढ़ाया है। पाली में भी करीब 15० इंटरन डॉक्टरों को पिछले करीब 3 महीने से वेतन नहीं दिया गया है। ऐसे में उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।



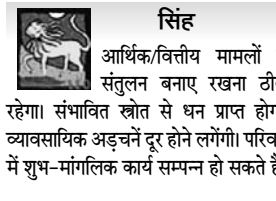
मेष
स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का थय समाप्त होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।



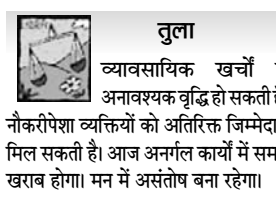
वृष
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। संभावित स्रोत से धन प्राप्त होगा।



कर्क
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिवर्जों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आज व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। शुभ कार्य के लिए यात्रा संभव है।



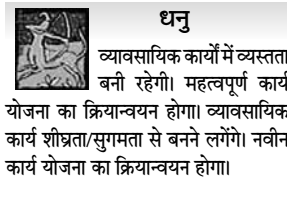
सिंह
आर्थिक/वित्तीय मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। संभावित स्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक अड़चनों दूर होने लेंगी। परिवार में शुभ-मंगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।



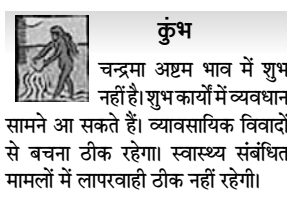
कन्या
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। धन प्राप्त हो सकता है। व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त हो सकते हैं। परिवार में मंगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।



तुला
व्यावसायिक खर्चों में अनारवश्यक वृद्धि हो सकती है। नेकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आज अमंगल कार्यों में समय खराब होगा। मन में अस्तोष बना रहेगा।



धनु
व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बन्ने लेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।



मकर
नवीन कार्यों के संबंध में समस्याएं आभासन प्राप्त होंगे। अटक के हुए कार्य बन्ने लेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक सुविधाएं बढ़ेंगी।



कुंभ
चन्द्रमा अशुभ भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। व्यावसायिक विवादों से बचना ठीक रहेगा। स्वास्थ्य संबंधित मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

मीन
परिवार में शुभ-मंगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवर्जों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।